Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. क्यूमेक्स को किसमें मापा जाता है ?

(अ) क्यूबिक मीटर प्रति सैकेंड में
(ब) क्यूबिक फुट प्रति सैकेंड में
(स) घन मीटर में
(द) इनमें से कोई नहीं

2. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी को दक्षिण की गंगा कहा जाता है-

(अ) कावेरी
(ब) कृष्णा
(स) महानदी
(द) गोदावरी

3. भारतीय अपवाह तंत्र को समुद्र में जल विसर्जन के आधार पर कितने समूहों में विभाजित किया जाता है?

(अ) चार
(ब) दो
(स) तीन
(द) उपयुक्त में से कोई नहीं।

4. सिंधु नदी का उद्गम कहां से होता है?

(अ) बोखर चू हिमनद के पास से
(ब) कुल्लू पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे से
(स) बंदरपूंछ श्रेणी से
(द) चेमायुंगडुंग हिमनद से

5. गंगा नदी को इसके उद्गम स्थल पर किस नाम से जाना जाता है?

(अ) अलकनंदा नदी
(ब) भागीरथी
(स) गंगा नदी
(द) धौली गंगा

6. निम्नलिखित में से किस नदी की द्रोणी भारत में सबसे बड़ी है?

(अ) गंगा
(ब) सिंधु
(स) कृष्णा
(द) ब्रह्मपुत्र

7. बिहार का शोक किस नदी को कहते है?

(अ) महानंदा नदी
(ब) घाघरा नदी
(स) कोसी नदी
(द) गंडक नदी

8. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी डेल्टा बनाती है?

(अ) साबरमती
(ब) नर्मदा
(स) तापी
(द) कृष्णा

9. नदी में समयानुसार जल प्रवाह के आयतन का माप है-

(अ) इनमें से कोई नहीं
(ब) जल विसर्जन
(स) क्यूसेक्स
(द) क्यूमेक्स

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी बंगाल का शोक के नाम से जानी जाती थी?

(अ) दामोदर (ब) सोन

(स) गंडक (द) कोसी

रिक्त स्थान

11. द्राक्षाकार (Dendritic) जल निकासी पैटर्न _____ की शाखाओं जैसा होता है।

12. गंगा और उसकी सहायक नदियों की जल निकासी प्रणाली को _____ कहते हैं।

सत्य/असत्य

13. तटीय नदियाँ हमेशा स्थायी होती हैं।

14. यमुना नदी गंगा की सहायक नदी है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. केरल की सबसे बड़ी नदी कौन-सी है? इसके बारे में व्याख्या करें।

16. इंडो-ब्रह्म नदी कितने अपवाह तंत्र में विभाजित है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. बाढ़ प्रवण क्षेत्र के बारे में व्याख्या करें।

18. कावेरी द्रोणी के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. हिमालय तथा प्रायद्वीपीय नदियों में अंतर स्पष्ट करें।

20. भारत की नदियाँ देश के लिए किस तरह उपयोगी हैं?

HOTS

21. गंगा नदी में जल प्रवाह वर्ष भर एक समान नहीं होता। व्याख्या करें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(अ)**
क्यूसेक पानी के बहाव की इकाई है। एक क्यूसेक का अर्थ है प्रति सेकंड एक घन फुट पानी का बहाव। लीटर में मापने पर यह बहाव 28.316846592 लीटर/से होता है।

2. **(द)**
गोदावरी में अनेक सहायक नदियाँ मिलती हैं, जैसे पूर्णा, वर्धा, प्रान्हिता, मांजरा, वेनगंगा तथा पेनगंगा। इनमें से अंतिम तीनों सहायक नदियाँ बहुत बड़ी हैं। बड़े आकार और विस्तार के कारण इसे 'दक्षिण गंगा' के नाम से भी जाना जाता है।

3. **(ब)**
भारतीय अपवाह तंत्र को समुद्र में जल विसर्जन के आधार पर दो समूहों में विभाजित किया जाता है। एक अरब सागर में जल गिराने वाली नदियां तथा दूसरा बंगाल की खाड़ी में जल गिराने वाली नदियां।

4. **(अ)**
सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी में बोखर चू हिमनद के पास से होता है।

5. **(ब)**
गंगा नदी का उद्गम उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से होता है जहां पर इसे भागीरथी के नाम से जाना जाता है।

6. **(अ)** गंगा

7. **(स)**
कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।

8. **(द)**
महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में महाबालेश्वर के निकट एक स्रोत से निकलकर कृष्णा लगभग 1400 Km बहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है तुंगभद्रा, कोयना, घाटप्रभा, मुसी तथा भीमा इसकी कुछ सहायक नदियाँ हैं। इसकी द्रोणी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश में फैली है।

9. **(ब)**
जल विसर्जन से आशय समयानुसार एक नदी में प्रवाहित जल के आयतन की माप से है। इसके मापन की इकाई क्यूसेक्स या क्यूमेक्स घन मीटर प्रति सेकण्ड है।

10. **(अ)** दामोदर

11. वृक्ष (पेड़)

12. हिमालयी जल निकासी प्रणाली

13. असत्य

14. सत्य

15. केरल की सबसे बड़ी नदी भरतपूझा है। यह नदी अनामलाई पहाड़ियों से निकलती है। इसे पोंनानी के नाम से भी जाना जाता है। यह लगभग 5397 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपवाहित करती है।

16. इंडो-ब्रह्म नदी तीन मुख्य अपवाह तंत्र में विभाजित है-
   i. पश्चिम में सिंधु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ: झेलम, चिनाव, रावी, व्यास एवं सतलुज सिंध नदी की प्रमुखसहायक नदियाँ हैं।
   ii. मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ गंगा में उत्तर की ओर से आकर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियाँ यमुना, रामगंगा, करनाली (घाघरा), ताप्ती, गंडक, कोसी और काक्षी रामगंगा मुख्य नदियाँ है।
   iii. पूर्व में ब्रह्मपुत्र व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ: भारतीय क्षेत्र में बहने वाली इसकी सहायक नदियों में सतलुज (तिब्बत से निकलती है), व्यास, रावी, चिनाब, और झेलम है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | TEST SERIES

17. बाढ़ प्रवण क्षेत्रों का वर्णन :-

ब्रह्मपुत्र घाटी, उत्तरी बिहार तथा निचला प. बंगाल बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित होते हैं। इसके अलावा बाढ़ से ग्रस्त होने वाले क्षेत्रों की कुछ पेटियां इस प्रकार हैं-

- नदियों के निचले प्रवाह मार्ग में गाद जमा होने से ये अपने प्रवाह मार्ग बदल लेती है, जिसके परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार व प. बंगाल में बाढ़े आती हैं।
- झेलम, चिनाब, व्यास, सतलज, रावी आदि सिंधु की सहायक नदियां जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश में आने वाली बाढ़ों का कारण बनती हैं।
- मध्य भारत एवं प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में नर्मदा, ताप्ती, चंबल, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी एवं पेन्नार नदियों द्वारा बाढ़ लायी जाती है।
- पूर्वी तट के कुछ सुनिश्चित क्षेत्र चक्रवाती तूफानों के कारण बाढ़ प्रवण हो जाते हैं। भारत में बाढ़ से प्रभावित कुल क्षेत्र 75 लाख से 1 करोड़ हेक्टेयर के बीच आंका गया है।

18. कावेरी द्रोणी के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं-

- कावेरी पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरी श्रृंखला से निकलती है तथा तमिलनाडु में कुडलूर वेफ दक्षिण में बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
- इसकी कुल लम्बाई 800 किलोमीटर है।
- इसके ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून से तथा निचले भाग में उत्तर-पूर्व मानसून से वर्षा होने के कारण इसमें वर्ष भर जल प्रवाह बना रहता है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं अमरावती, भवानी, हेमावती तथा काबिनि। इसकी द्रोणी तमिलनाडु, केरल तथा कर्नाटक में विस्तृत है।

19. हिमालय तथा प्रायद्वीपीय नदियों में निम्नलिखित अंतर है:-

	हिमालय की नदियाँ	**प्रायद्वीपीय भारत की नदियाँ**
1.	हिमालय की नदियों में वर्ष भर पानी रहता है।	प्रायद्वीपीय नदियों में वर्ष भर पानी नहीं रहता है।
2.	ये नदियों विसर्प बनाती हैं और मार्ग भी बदल लेती हैं।	ये अपेक्षाकृत सीधा मार्ग अपनाती हैं और अपना मार्ग नहीं बदलतीं।
3.	इनमे में गहरे गार्ज हैं।	ये उथली घाटियों में बहती हैं।
4.	ये प्रायः समतल भागों से होकर बहती हैं।	ये असमतल भागों से होकर बहती हैं।
5.	इनमे जहाजरानी तथा सिंचाई के अनुकूल है।	इनमे जहाजरानी तथा सिंचाई के अनुकूल नहीं है।
6.	ये बड़ा डेल्टा बनाती है, गंगा-ब्रह्मपुत्र का डेल्टा विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा हैं।	ये अपेक्षाकृत छोटा डेल्टा बनाती हैं, नर्मदा तथा तापी डेल्टा के स्थान पर ज्वारनदमुख बनाते हैं।
7.	ये सिर्फ हिमालय क्षेत्र से निकलती हैं।	ये एक भाग से न निकलकर कई भागों से निकलतीं हैं।

20. भारत की नदियों का देश के आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्राचीनकाल से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सिन्धु तथा गंगा नदियों की घाटियों में ही विश्व की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यताओं- सिन्धु घाटी तथा आर्य सभ्यता का आर्विभाव हुआ। आज भी देश की सर्वाधिक जनसंख्या एवं कृषि का संकेन्द्रण नदी घाटी क्षेत्रों में पाया जाता है। प्राचीन काल में व्यापारिक एवं यातायात की सुविधा के कारण देश के अधिकांश नगर नदियों के किनारे ही विकसित हुए थे तथा आज भी देश के लगभग सभी धार्मिक स्थल किसी न किसी नदी से सम्बद्ध है। नदियों के देश कहे जाने वाले भारत में मुख्यतः चार नदी प्रणालियाँ है (अपवाह तंत्र) हैं। उत्तरी भारत में सिंधु, मध्य भारत में गंगा, उत्तर-पूर्व भारत में ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

प्रायद्वीपीय भारत में नर्मदा कावेरी महानदी आदी नदियाँ विस्तृत नदी प्रणाली का निर्माण करती हैं। नदियों में प्रतिवर्ष 1,67,753 करोड़ घन मीटर जल बहता है। असमतल धरातल तथा प्रवाह की विशेषताओं के कारण इस सारे जल का उपयोग नहीं हो सकता है। लगभग 55,517 करोड़ घन मीटर अर्थात वार्षिक प्रवाह के 33 प्रतिशत का सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकता है। देश में कई नदियों पर बाँध बनाकर सिंचाई और जलविद्युत तैयार की जा सकती है। देश में इन नदियों से 60 प्रतिशत कार्यक्षमता के आधार पर लगभग 4.1 करोड़ किलोवाट जलशक्ति का उत्पादन किया जा सकता है। देश में लगभग 10600 किलोमीटर लम्बे नाव्य जलमार्ग हैं। इसमें से 2480 किलोमीटर लम्बी नाव्य नदियों में स्टीमर और बड़ी देशी नावें और 4200 चल सकती हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र और महानदी प्रमुख नाव्य नदियाँ हैं। गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और तापी केवल मुहानों के निकट ही नाव्य हैं। नदियों से नगरों, गाँवों और बड़े-बड़े कारखानों को जल मिलता है।

21. गंगा भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण नदी है। यह भारत और बांग्लादेश में कुल मिलाकर 2525 किलोमीटर की दूरी तय करती हुई, उत्तराखण्ड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुन्दरवन तक विशाल भू-भाग को सींचती है। गंगा नदी में न्यूनतम जल प्रवाह जनवरी से जून की अवधि के दौरान होता है। अधिकतम प्रवाह अगस्त या सितंबर में प्राप्त होता है। सितंबर के बाद प्रवाह में लगातार कमी होती चली जाती है। इस प्रकार इस नदी की वर्षा ऋतु में जल प्रवाह की प्रवृति मानसूनी होती है। यह कृषि, पर्यटन, साहसिक खेलों तथा उद्योगों के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है तथा अपने तट पर बसे शहरों की जलापूर्ति भी करती है। गंगा नदी के पूर्वी व पश्चिमी भागों की जल बहाव प्रवृत्ति में चौंकाने वाले अंतर नज़र आते हैं। बर्फ पिघलने के कारण गंगा नदी का प्रवाह मानसून आने से पहले भी काफी बड़ा होता है। फरक्का में गंगा नदी का औसत अधिकतम जल प्रवाह लगभग 55000 क्यूसेक्स है जबकि न्यूनतम औसत केवल 1300 क्यूसेक्स है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES